श्री लक्ष्म्याष्टोत्तर शतनामावळि

ओं प्रकृत्यै नमः
ओं विकृत्यै नमः
ओं विद्यायै नमः
ओं सर्वभूतहितप्रदायै नमः
ओं श्रद्धायै नमः
ओं विभूत्यै नमः
ओं सुरभ्यै नमः
ओं परमात्मिकायै नमः
ओं वाचे नमः
ओं पद्मालयायै नमः (१०)
ओं पद्मायै नमः
ओं शुच्यै नमः
ओं स्वाहायै नमः
ओं स्वधायै नमः
ओं सुधायै नमः
ओं धन्यायै नमः
ओं हिरण्मय्यै नमः
ओं लक्ष्म्यै नमः
ओं नित्यपुष्टायै नमः
ओं विभावर्यै नमः (२०)
ओं अदित्यै नमः
ओं दित्यै नमः
ओं दीप्तायै नमः

ओं वसुधायै नमः
ओं वसुधारिण्यै नमः
ओं कमलायै नमः
ओं कांतायै नमः
ओं कामाक्ष्यै नमः
ओं क्रोधसंभवायै नमः
ओं अनुग्रहपरायै नमः (३०)
ओं ऋद्धये नमः
ओं अनघायै नमः
ओं हरिवल्लभायै नमः
ओं अशोकायै नमः
ओं अमृतायै नमः
ओं दीप्तायै नमः
ओं लोकशोक विनाशिन्यै नमः
ओं धर्मनिलयायै नमः
ओं करुणायै नमः
ओं लोकमात्रे नमः (४०)
ओं पद्मप्रियायै नमः
ओं पद्महस्तायै नमः
ओं पद्माक्ष्यै नमः
ओं पद्मसुंदर्यै नमः
ओं पद्मोद्भवायै नमः
ओं पद्ममुख्यै नमः
ओं पद्मनाभप्रियायै नमः
ओं रमायै नमः

ओं पद्ममालाधरायै नमः
ओं देव्यै नमः (५०)
ओं पद्मिन्यै नमः
ओं पद्मगंथिन्यै नमः
ओं पुण्यगंधायै नमः
ओं सुप्रसन्नायै नमः
ओं प्रसादाभिमुख्यै नमः
ओं प्रभायै नमः
ओं चंद्रवदनायै नमः
ओं चंद्रायै नमः
ओं चंद्रसहोदर्यै नमः
ओं चतुर्भुजायै नमः (६०)
ओं चंद्ररूपायै नमः
ओं इंदिरायै नमः
ओं इंदुशीतुलायै नमः
ओं आह्लोदजनन्यै नमः
ओं पुष्ट्यै नमः
ओं शिवायै नमः
ओं शिवकर्यै नमः
ओं सत्यै नमः
ओं विमलायै नमः
ओं विश्वजनन्यै नमः (७०)
ओं तुष्ट्यै नमः
ओं दारिद्य नाशिन्यै नमः
ओं प्रीतिपुष्करिण्यै नमः

ऒं शांतायै नमः
ऒं शुक्लमाल्यांबरायै नमः
ऒं श्रियै नमः
ऒं भास्कर्यै नमः
ऒं बिल्वनिलयायै नमः
ऒं वरारोहायै नमः
ऒं यशस्विन्यै नमः (८०)
ऒं वसुंधरायै नमः
ऒं उदारांगायै नमः
ऒं हरिण्यै नमः
ऒं हेममालिन्यै नमः
ऒं धनधान्य कर्यै नमः
ऒं सिद्धये नमः
ऒं स्त्रैण सौम्यायै नमः
ऒं शुभप्रदायै नमः
ऒं नृपवेश्म गतानंदायै नमः
ऒं वरलक्ष्म्यै नमः (९०)
ऒं वसुप्रदायै नमः
ऒं शुभायै नमः
ऒं हिरण्यप्राकारायै नमः
ऒं समुद्र तनयायै नमः
ऒं जयायै नमः
ऒं मंगळायै नमः
ऒं देव्यै नमः
ऒं विष्णु वक्षःस्थल स्थितायै नमः

ॐ विष्णुपत्न्यै नमः
ॐ प्रसन्नाक्ष्यै नमः (१००)
ॐ नारायण समाश्रितायै नमः
ॐ दारिद्य ध्वंसिन्यै नमः
ॐ सर्वोपद्रव वारिण्यै नमः
ॐ नवदुर्गायै नमः
ॐ महाकाळ्यै नमः
ॐ ब्रह्म विष्णु शिवात्मिकायै नमः
ॐ त्रिकाल ग्न्यान संपन्नायै नमः
ॐ भुवनेश्वर्यै नमः (१०८)

इति श्री लक्ष्म्याष्टोत्तर शतनामावळि संपूर्णम्